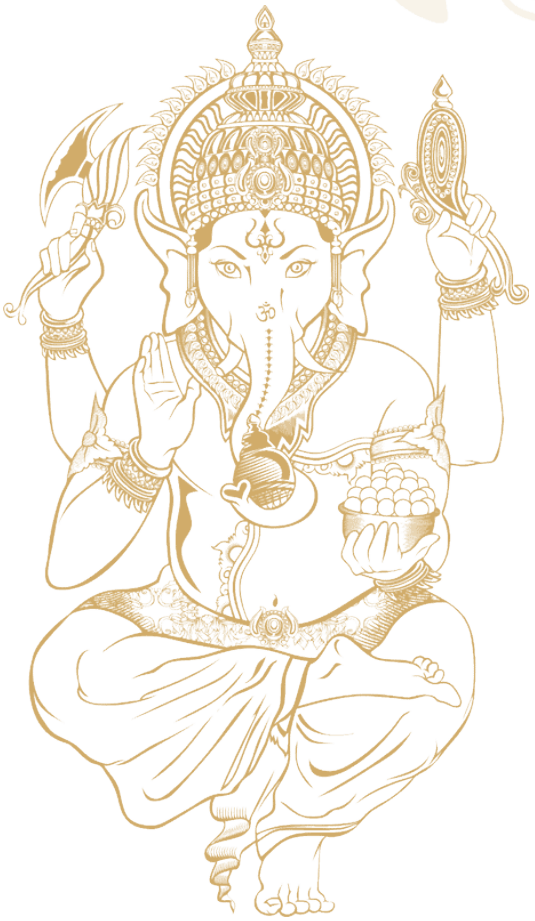

Rajat

Priyanka

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121286102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/06/2001	जन्म तिथि	21/02/2002
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 05:57:00	जन्म समय	18:15:00 घंटे
घटी 00:43:20	जन्म समय(घटी)	27:43:37 घटी
India	देश	India
Bikaner	स्थान	Nokha
28:01:00 उत्तर	अक्षांश	27:35:00 उत्तर
73:22:00 पूर्व	रेखांश	73:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	-00:36:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:39	सूर्योदय	07:08:40
19:32:22	सूर्यास्त	18:31:07
23:52:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:57

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 10मा 11दि	28:32:45	वृष	लग्न	सिंह	06:06:42	चन्द्र 1वर्ष 9मा 13दि
राहु	25:20:03	वृष	सूर्य	कुंभ	08:49:40	राहु
21/04/2018	10:10:52	मक	चंद्र	वृष	20:57:03	06/12/2010
21/04/2036	00:04:20	धनु व	मंगल	मेष	00:21:28	05/12/2028
राहु 02/01/2021	04:54:26	मिथु व	बुध	मक	12:14:22	राहु 18/08/2013
गुरु 28/05/2023	28:36:06	वृष	गुरु व	मिथु	11:50:57	गुरु 11/01/2016
शनि 03/04/2026	09:33:45	मेष	शुक्र	कुंभ	17:58:48	शनि 17/11/2018
बुध 20/10/2028	12:29:05	वृष	शनि	वृष	14:19:12	बुध 06/06/2021
केतु 08/11/2029	12:30:10	मिथु	राहु	मिथु	00:38:22	केतु 24/06/2022
शुक्र 08/11/2032	12:30:10	धनु	केतु	धनु	00:38:22	शुक्र 24/06/2025
सूर्य 02/10/2033	00:54:49	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	01:23:18	सूर्य 19/05/2026
चन्द्र 03/04/2035	14:40:11	मक व	नेप	मक	15:28:09	चन्द्र 18/11/2027
मंगल 21/04/2036	19:54:03	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:32:22	मंगल 05/12/2028

लग्न-चलित

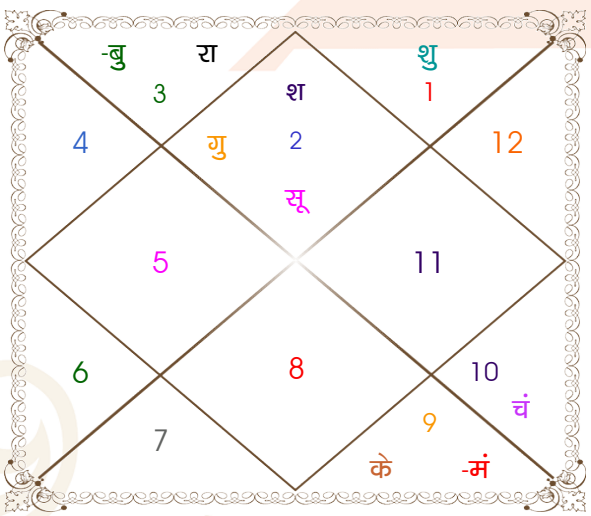

लग्न-चलित

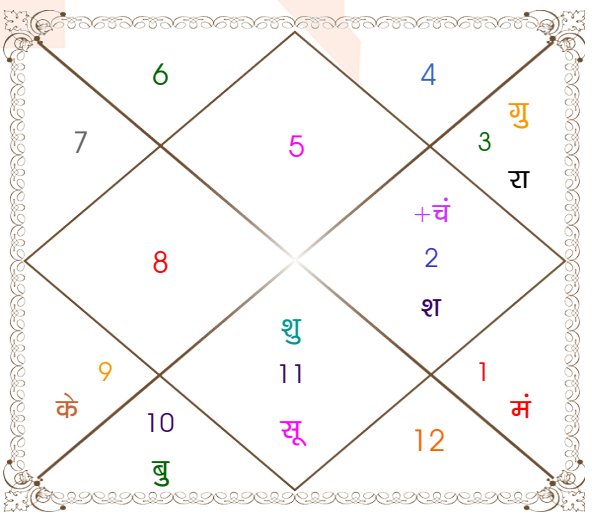

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि त्रंज का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि च्तपलंदां का नक्षत्र रोहिणी है।

त्रंज का वर्ग मार्जार है तथा च्तपलंदां का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्रंज और च्तपलंदां का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

त्रंज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

च्तपलंदां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु च्तपलंदां कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रंज तथा च्तपलंदां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।